*Formation* Of Question Paper For m.A.4th Sem.2020
Perspectives on Indian Society
Department of Sociology

- Q.1. भारत विद्या अभिगम भारतीय समाज को संपूर्णता में देखने का परिप्रेक्ष्य है। इस कथन की व्याख्या कीजिए।
- Q.2. भारतीय समाजशास्त्र में प्रयुक्त प्रमुख समाजशास्त्रीय परिपेक्ष्यो पर प्रकाश डालिए।
- Q.3. जी. एस . घुरिये के भारत विद्या अधिगम में दिए गए योगदान की विस्तृत समीक्षा कीजिए।
- Q.4. जी.एस. घुरिये का जीवन परिचय दीजिए एवं उनके भारत विद्या अभिगम पर आधारित उनके विस्तृत रचना संसार की समीक्षा कीजिए।
- Q.5. लुईस ड्यूमा के जीवन परिचय एवं कृतियों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय जाति संस्तरण पर लिखी गई उनकी विश्व प्रसिद्ध कृति होमो हाय रात्रिकी की विवेचना कीजिए।
- Q.6. लुईस ड्यूमा के भारतीय जाति व्यवस्था के विश्लेषण को आधार बनाकर उनके वैचारिक विकास में भारत विद्या शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य का स्थान सुनिश्चित कीजिए।
- Q.7. संरचनात्मक- प्रकार्यात्मक अभिगम से आप क्या समझते हैं स्पष्ट कीजिए।
- Q.8. क्या संरचनात्मक -प्रकार्यात्मक अधिगम के आधार पर भारतीय समाज का अध्ययन संभव है? विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।
- Q.9. एम.एन. श्रीनिवास द्वारा संरचनात्मक- प्रकार्यात्मक अधिगम में दिए गए योगदान की समीक्षा कीजिए।
- Q.10. एस.सी. दुबे के अध्ययन में प्रयुक्त होने वाले संरचनात्मक -प्रकार्यात्मक परिपेक्ष्य सहित अन्य विशिष्ट परिपेक्ष्य की समाजशास्त्रीय विवेचना कीजिए।